1. ***निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर (✓) लगाइए-*** 1 × 5 = 5

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक देश है जिसमें शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं, किंतु अंग्रेज़ी में जिसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्रायः घर में साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं किंतु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरवस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, किंतु वह सुदशा नहीं, दुरवस्था ही है और जब तक यह दुरवस्था कायम है, हमें अपने-आपको, सही अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का ठीक-ठीक न्यायसंगत अधिकार नहीं है।

प्रश्न– 1. उपयुक्त शीर्षक लिखिए–

(क) शिक्षित व्यक्ति की पहचान
(ख) भारतीय शिक्षित की पहचान
(ग) मातृभाषा का तिरस्कार
(घ) भारतीय शिक्षितों का अंग्रेज़ी मोह।

2. 'दुरवस्था' में कौन-सा उपसर्ग है ?

(क) दु (ख) दुर् (ग) दुर (घ) आ।

3. यहाँ किस ऐतिहासिक प्रक्रिया की ओर संकेत है ?

(क) भारत में बढ़ते भौतिकवाद की ओर
(ख) भारत में मुसलमानों के आक्रमण की ओर
(ग) भारत में अंग्रेज़ों की गुलामी की ओर
(घ) भारत के लोगों की लंबी गुलामी की ओर।

4. भारत में शिक्षित व्यक्ति किसे माना जाता है ?

(क) जिसे हिंदी आती हो
(ख) जिसे मातृभाषा आती हो
(ग) जिसे अंग्रेज़ी आती हो
(घ) जिसने अंग्रेज़ी में पढ़ाई की हो।

5. संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति किसे मानते हैं ?

(क) जो संस्कृत जानता हो
(ख) जो स्वभाषा जानता हो
(ग) जिसके घर में स्वभाषा की पुस्तकें हों
(घ) जिसे स्वभाषा, स्वसाहित्य और लेखकों से गहरा जुड़ाव हो।